2020–2021

बी.ए. संस्कृत तृतीय वर्ष

पूर्णांक–100

समय–3 घण्टे

न्यूनतम उत्तीर्णांक–36

प्रथम प्रश्नप्रत्र–भारतीय दर्षन एवं व्याकरण

पाठ्यक्रम

1. श्रीमदभगवदगीता (द्वितीय अध्याय) 25 अंक
2. तर्कसंग्रह (प्रत्यक्ष पर्यन्त) 20 अंक
3. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त 10 अंक
4. कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय (प्रथम वल्ली) 20 अंक
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण) भू, एध, पाँच लकार 25 अंक

अंक विभाजन

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	लघुत्तरात्मक प्रष्न	अंक	निबन्धात्मक प्रष्न	अंक	अंक योग
1.	श्रीमदभगवदगीता (द्वितीय अध्याय)	03	06	03	19	6+19–25
2.	तर्कसंग्रह	03	03	02	14	6+14–20
3.	भारतीय दर्शन के सिद्धान्त	02	04	01	06	4+6–10
4.	कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय (प्रथम वल्ली)	03	06	02	14	6+14–20
5.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	04	08	04	17	18+17–25
	कुल योग	15	30	12	70	100

अंक विभाग

1. (अ) श्रीमद्भगवदगीता के द्वितीय अध्याय से दो श्लोक देकर किसी एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या 10 अंक
   (ब)श्रीमद्भगवदगीता के द्वितीय अध्याय से दो श्लोक देकर किसी एक की सप्रसंग व्याख्या 4अंक
   (स)श्रीमद्भगवदगीता के द्वितीय अध्याय पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न 5 अंक
2. (अ) तर्कसंग्रह में से चार गद्यांशों में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या 8 अंक
   (ब) तर्क संग्रह पर आधारित दो प्रश्नों में से एक सामान्य प्रश्न 6 अंक
3. भारतीय दर्शन के निम्नलिखित सिद्धान्त–
   (अ) भारतीय दर्शन की विशेषताएं
   (ब)सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद
   (स)योगदर्शन का अष्टांगयोग
   (द) चार्वाक की तत्व मीमांसा
   उपर्युक्त में से दो में से एक प्रश्न 6 अंक
4. (अ) कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय की प्रथम वल्ली में से दो दो मन्त्र देकर किन्हीं दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या 8अंक
   (ब) कठोपनिषद् पर आधारित दो में से एक प्रश्न 6 अंक
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)
   (अ) लघुसिद्धान्तकौमुदी के तिङन्त प्रकरण में से भू धातु के पांच लकारों तथा एध् धातु की लट्, लोट्, लृट्, लङ्, विधिलिङ् में चार शब्दों में से दो की रूपसिद्धि 8 अंक
   (ब) उपर्युक्त भू धातु तथा एध् धातु के पाँच सूत्रों में से तीन की सोदाहरण व्याख्या 9 अंक

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

helpstudentpoint.com

Scanned with CamScanner

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें

1. श्रीमद्भगवद्गीता (2,3,4 अध्याय) – डॉ. श्रीकृष्ण त्रिपाठी, चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी
2. श्रीमद्भगवद्गीता (2, 3 अध्याय) – डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर
3. श्रीमदभगवद्गीता (2, 3 अध्याय) – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
4. श्रीमद्भगवादगीता (2, 3अध्याय) – डॉ. ज्योति वर्मा, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
5. श्रीमद्भगवदगीता (2, 3, अध्याय) – डॉ. हीरेन्द्र कुमार शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. श्रीमद्भगवदगीता(2, 3 अध्याय) – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
7. तर्क संग्रह – डॉ. दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीराम, दिल्ली
8. तर्क संग्रह – डॉ. पंकज कुमार मिश्र, परिमल प्रकाशन, जयपुर
9. तर्क संग्रह – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
10. तर्क संग्रह – डॉ. नरेन्द्र शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
11. तर्क संग्रह – डॉ. रामसिंह चौहान, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
12. तर्क संग्रह – डॉ. एन. के झा, अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली
13. भारतीय दर्शन – प्रो0 बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी
14. भारतीय दर्शन – प्रो0 जदुनाथ सिन्हा मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
15. भारतीय दर्शन – डॉ. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनासीदास दिल्ली
16. भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र, उ. प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ
17. भारतीय दर्शन – दत्ता एवं चटर्जी, पुस्तक भण्डार, पटना
18. कठोपनिषद् – डॉ. नाथूलाल सुमन, नितिन पब्लिकेशन्स अलवर
19. कठोपनिषद् – डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, हंसा प्रकाशन जयपुर
20. कठोपनिषद् – डॉ. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
21. कठोपनिषद् – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, जगदीश संस्कृत, पुस्तकालय, जयपुर
22. कठोपनिषद् – डॉ. सुधाकर द्विवेदी, युवराज पब्लिकेशन, आगरा
23. कठोपनिषद् – डॉ. जे.सी. नारायणन्, अलंकार प्रकाशन, आगरा
24. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) – डॉ. भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
25. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) – डॉ. सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
26. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, दिल्ली
27. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) – डॉ. प्रभुराम सूत्रकार, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
28. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) – डॉ. सुभाष वेदालंकार और डॉ महेश कुमावत, अलेकार प्रकाशन, जयपुर
29. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
30. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) – डॉ. जगदीश शास्त्री, हंसा प्रकाशन, जयपुर

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Scanned with CamScanner

द्वितीय प्रश्न पत्र
काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबन्ध

पूर्णांक 100
समय–3 घण्टे

न्यूनतम उत्तीर्णांक–36

पाठ्यक्रम

1. रघुवंशम्, द्वितीय सर्ग 1–40 श्लोक — 20 अंक
2. रामायण, बाल काण्ड, प्रथम सर्ग 1–60 श्लोक — 20 अंक
3. महाभारत, उद्योगपर्व, विदुरनीति का 34 अध्याय — 20 अंक
4. मनुस्मृति, द्वितीय अध्याय, 1–75 श्लोक — 20 अंक
5. संस्कृत में निबन्ध — 10 अंक
6. प्रत्यय ज्ञान (प्रत्यय विधायक सूत्र सहित) — 10 अंक

अंक विभाजन

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न	अंक	अंक योग
1.	रघुवंशम (द्वितीय सर्ग)	03	06	02	14	6+14=20
2.	रामायण, बालकाण्ड(प्रथम सर्ग)	03	06	02	14	6+14=20
3.	महाभारत, उद्योगपर्व (विदुरनीति का 34,अध्याय)	02	04	02	16	4+16=20
4.	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय, 1 से 75 श्लोक तक)	03	06	02	14	6+14=20
5.	संस्कृत में निबन्ध	01	02	01	08	2+8=10
6.	प्रत्यय ज्ञान (प्रत्यय विधायक सूत्रसहित)	03	06	01	04	6+4=10
	कुल योग	15	30	10	70	100

अंक विभाजन

1. (अ), रघुवंशम, के द्वितीय सर्ग से चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या — 8 अंक
   (ब) रघुवंशम् के द्वितीय सर्ग से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न — 6 अंक
2. (अ) रामायण के बालकाण्ड के प्रथम सर्ग में से चार में से दो की सप्रसंग व्याख्या — 8 अंक
   (ब) बालकाण्ड के प्रथम सर्ग पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न — 6 अंक
3. (अ) महाभारत, उद्योगपर्व, विदुरनीति के 34 अध्याय से दो दो श्लोक देकर किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या — 10 अंक
   (ब) विदुरनीति पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न — 6 अंक
4. (अ) मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के 1से 75 तक के चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या — 8 अंक
   (ब)मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के 1 से 75 तक के श्लोकों पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न – 6 अंक
5. निम्नलिखित में से चार में से एक पर संस्कृत में निबन्ध–

   (अ) संस्कृतभाषायाः महत्वम् (ब)भारतीयसंस्कृतिः (स) मम प्रियः कविः (द)सत्संगतिः
   (य) उद्योगस्य महत्वम् (र) स्त्री शिक्षा (ल)पर्यावरणम् (व)विद्यायाः महत्वम्

6. निम्नलिखित प्रत्ययों का सामान्य ज्ञान (सूत्र सहित)
   क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, शतृ, शानच्

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session
2020-21

Helpstudentpoint.com

Scanned with CamScanner

उपर्युक्त प्रत्ययों के उदाहरणों में से दो में से एक शब्दों में प्रकृति प्रत्यय का ससूत्र ज्ञान –10 अंक

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) जयपुर – डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय, जगदीश संस्कृत, पुस्तकालय,
2. रघुवंशम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
3. रघुवंशम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
4. रघुवंशम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. रघुवंशम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. रविकान्त मणि, हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. रामायण, बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)– डॉ. भेषराज शर्मा, हंसा प्रकाशन जयपुर
7. रामायण, बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)– डॉ. उषा शर्मा, आयुर्वेद सं. हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
8. विदुरनीति – डॉ. कृष्णकान्त शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ
9. विदुरनीति – डॉ. रेवतीरमण शास्त्री, यूनिक ट्रेडर्स, जयपुर
10. विदुरनीति – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
11. विदुरनीति – डॉ. हरिनारायण यादव, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
12. मनुस्मृति(द्वितीय अध्याय) – डॉ. श्याम शर्मा, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
13. मनुस्मृति(द्वितीय अध्याय) – डॉ. भेषराज शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
14. मनुस्मृति(द्वितीय अध्याय) – डॉ. कमलनयन शर्मा, आयुर्वेद सं. हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
15. मनुस्मृति(द्वितीय अध्याय) – डॉ. शिवशंकर गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
16. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17. अनुवाद चन्द्रिका – डॉ. चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
18. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर
19. प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
20. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका – डॉ. चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली
21. संस्कृत निबन्ध परिजात – डॉ. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
22. संस्कृत निबन्धाजली – डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
23. संस्कृतनिबन्धरत्नाकर – डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
24. संस्कृतनिबन्धपीयूषम् – डॉ. कृष्णगोपाल जांगिड, हंसा प्रकाशन, जयपुर
25. संस्कृतनिबन्धशतकम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
26. संस्कृतनिबन्धनिकुंज – डॉ. वासुदेवकृष्ण, चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
27. संस्कृत निबन्ध निहारिका – डॉ. अशोक कुमार यादव, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Scanned with CamScanner